ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–९६
दिनांक- शुक्रवार, २३ दिसम्बर, २०२२

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय बेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 21.8 एवं 10.5 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 99 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 72 प्रतिशत, हवा की औसत गति 2.4 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 1.1 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 1.7 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 14.5 एवं दोपहर में 23.3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(24–28 दिसम्बर, 2022)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 24–28 दिसम्बर, 2022 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान प्रायः साफ तथा मौसम क शुष्क रहने का अनुमान है। सुबह में मध्यम से घना कुहासा छा सकता है।
- पूर्वानुमान की अवधि में दिन तथा रात के तापमान में 1–2 डिग्री सेल्सियस गिरावट आ सकती है। इस अवधि में अधिकतम तापमान 21 से 23 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 9 से 11 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। सुबह में मध्यम कुहासा छा सकता है।
- पूर्वानुमानित अवधि में पछिया हवा चलने का अनुमान है। औसतन 4–8 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 85 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 55 से 60 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- रबी फसलों में निकाई–गुड़ाई एवं आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। रबी मक्का की 50–55 दिनों की फसल में 50 किलोग्राम नत्रजन का उपरिवेशन कर मिट्टी चढ़ाकर सिचाई करें। फसल में कीट एवं रोग–व्याधि की नियमित रुप से निगरानी करें।
- पहली सिंचाई के बाद गेहूँ की फसल में कई प्रकार के खर–पतवार उग आते है। यह गेहूँ की बुआई के 30 से 35 दिनों के बाद की अवस्था है। इन खरपतवारों का विकास काफी तेजी से होता है और ये गेहूँ की बढ़वार को प्रभावित करती है। जिससे उपज प्रभावित होता है। इन सभी प्रकार के खरपतवारों के नियंत्रन हेतु सल्फोसल्फयुरॉन 33 ग्रम प्रति हेक्टर एवं मेटसल्फयुरॉन 20 ग्रम प्रति हेक्टर दवा 500 लीटर पानी में मिलाकर खड़ी फसल में पर छिड़काव करें।
- गेहूँ की पिछात किस्मों की बुआई अबिलम्ब समपन्न कर लें। एच0डी0 2733, एच0यू0डब्लू0 468, डब्लू0आर0 544, डी0बी0डब्लू0 39, एच0डी0 2967 तथा एच0डब्लू0 2045 किस्में इस क्षेत्र के लिए अनुषसित हैं। प्रति किलोग्राम बीज को 2.5 ग्राम बेबीस्टीन की दर से पहले उपचारित करें। पुनः बीज को क्लोरपायरिफॉस 20 ई0सी0 दवा का 8 मि0ली0 प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। बुआई के पूर्व खेत की जुताई में 40 किलोग्राम नेत्रजन, 40 किलोग्राम फॉसफोरस एवं 20 किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर डालें। जिन क्षेत्रों में फसलों में जिंक की कमी के लक्षण दिखाई देती हो वैसे क्षेत्रों के किसान खेत की अन्तिम जुताई में जिंक सल्फेट 25 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। छिटकबाँ विधि से बुआई के लिए प्रति हेक्टेयर 150 किलोग्राम तथा सीड ड्रील से पंक्ति में बुआई के लिए 125 किलोग्राम बीज का व्यवहार करें। बुआई पूर्व खेतों की हल्की सिंचाई अवष्य करें ताकि बीजों का समुचित जमाव सुनिष्चित हो सके।
- टमाटर की फसल में फल छेदक कीट की निगरानी करे। इस कीट के पिल्लू टमाटर को बहुत अधिक नुकसान पहुचाते है। ये कच्चे तथा पके टमाटरो में छेद करके उनके अन्दर घुस कर गुदा खाते है। कीट के मल–मूत्र के कारण फल में सड़न प्रारंभ हो जाती है जिससे उत्पादन में काफी कमी आती है। इस कीट से बचाव हेतु 8–10 फेरोमौन ट्रैप प्रति हेक्टेयर खेत में लगाये। ब्यूभेरिया बेसियाना जैविक कीटनाशी का 1 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करे। यदि कीट की संख्या अधिक हो तो स्पिनोसेड 48 ई0सी0/1 मि0ली0 प्रति 4 ली0 पानी या इन्डोक्साकार्ब 14.5 एस0सी0 1 मी0ली0 प्रति 2.5 लीटर पानी की दर से घोल बनाकर फसल पर छिड़काव करे।
- आलू की फसल से खरपतवार निकालें एवं आवश्यकतानुसार 10–15 दिनों के अन्तराल में सिंचाई करें। आलू में कजरा पिल्लू दिखने पर फसल में क्लोरपायरीफॉस 20 ई0सी0 का 2.5 लीटर 1000 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।
- सब्जियों में निकाई–गुड़ाई एवं आवष्यकतानुसार सिंचाई करें। कीट–व्याधी की निगरानी करें। मटर की फसल में अच्छे फलन के लिए 2 प्रतिषत यूरिया के घोल का छिड़काव करें।
- प्याज के तैयार पौध की पाँक्ति से पाँक्ति की दूरी 15 से0मी0, पौध से पौध की दूरी 10 से0मी0 पर रोपाई करे।
- मटर की फसल में अच्छे फलन के लिए 2 प्रतिषत यूरिया के घोल का छिड़काव करें। मटर की फसल में चूर्णिल फफूँदी (पाउडरी मिल्डयु) रोग एवं फल छेदक कीट की निगरानी करें।
- पशुओं को रात में खुले स्थान पर नहीं रखें। बिछावन के लिए सुखी घास या राख का उपयोग करें। दुधारु पशुओं को लिवरफ्लूक संक्रमण से वचाव हेतु धान का पुआल नहीं खिलावें। अगर पशुओं मे दस्त, निचले जबड़े में सुजन जैसी लक्षण दिखाई दे तो ट्राकाबेन्डाजोल दवा खिलाएँ।

आज का अधिकतम तापमानः 19.2 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 4.3 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 10.6 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.0 डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी (कृषि मौसम)

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)